Dated 22/9/2020

B.A part-2(H) Philosophy

डा० अनीता कुमारी गुप्ता
गेह्रे केo कालेज बिहौल

लाइबनित्ज द्वारा ईश्वर के अस्तित्व के लिए युक्तियाँ

लाइबनित्ज ने ईश्वर की सत्ता को सिद्ध करने के लिए निम्न तर्क प्रस्तुत किया है:— (i) तात्विक प्रमाण . लाइबनित्ज ने कहा है कि प्रत्येक चिद्णु में दो पहलू हैं - वास्तविक एवं संभावित, सक्रियता एवं निष्क्रियता। अधिक विकसित एवं उच्चतर चिद्णु में सक्रियता एवं वास्तविकता की मात्रा अधिक होती है तथा सोपानक्रम में निम्नतर एवं कम विकसित चिद्णु में निष्क्रियता की मात्रा अधिक होती है। चिद्णुओं के सोपानक्रम में ईश्वर सर्वोच्च चिद्णु है जिसमें सभी निष्क्रियता एवं संभावना वास्तविकता में परिवर्तित हो जाती है। इसलिए ईश्वर पूर्ण वास्तविक है। यदि ईश्वर संभव है तो वह है क्योंकि उसका अस्तित्व उसकी संभावना का अनिवार्य परिणाम है। अन्य चिद्णुओं में संभावना वास्तविकता में परिणाम नहीं हो पाती है, लेकिन ईश्वर की सभी संभावनाएं वास्तविक होती हैं। यदि ईश्वर संभव है तो वह अवश्य ही वास्तविक है तथा ईश्वर अवश्य ही संभव है, क्योंकि ईश्वर के संबंध में संगत रूप में विचारा जा सकता है, जो संगत रूप से विचारा जा सकता है, वह संभव है।

(ii) विश्व संबंधी प्रमाण - लाइबनित्ज ने कहा है कि विश्व की प्रत्येक वस्तु आपातिक है, क्योंकि इनका निषेध सोचा जा सकता है। जब एक वस्तु के अभाव को सोच सकते हैं, तब सम्पूर्ण विश्व के अनस्तित्व के संबंध में सोचा जा सकता है। इसी कारण विश्व आपातिक है। समस्त विश्व का पर्याप्त हेतु ईश्वर है। इसे पर्याप्त हेतु पर आधारित प्रमाण भी कहा गया है।

(iii) नित्य सत्ताओं पर आधारित प्रमाण:- इस प्रमाण का आधार शाश्वत सत्ताएँ हैं। कुछ सत्य ऐसे होते हैं जो सार्वकालिक सत्य होते हैं, जैसे 5+5 = 10। इस प्रकार की सत्यता का आधार आपातिक नहीं हो सकता है। ये सत्य अनादि होते हैं। ये अनादि सत्य ईश्वर के मन में रहते हैं। इसलिए ईश्वर है।

—— X ——